Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to set up industries, particularly graphite based industries in Palamu Parliamentary Constituency, Jharkhand.

श्री विऐणु दयाल राम (पलामू) : महोदया, मैं आपका ध्यान अपने संसदीय क्षेत्र पलामू के अति पिछड़ेपन की ओर दिलाना चाहता हूँ।

महोदया, आजादी से लेकर आज तक वहाँ कल-कारखानों के नाम पर, फैक्ट्रियों के नाम पर और उद्योग-धंधों के नाम पर केवल एक छोटी सी रियलाकास्टिक सोडा फैक्ट्री है। इस फैक्ट्री में करीब 1295 मज़दूर कार्यरत हैं। इसके अलावा सन् 1972 में वहाँ जपला सीमेन्ट फैक्ट्री शुरू की गई थी, जो कि सन् 1992 में बंद हो गई थी और आज तक बंद पड़ी हुई है।

महोदया, प्रत्येक वऐान मेरे संसदीय क्षेत्र से बहुत से मज़दूर रोज़गार के लिए दूसरे राज्यों में जाते हैं। इस कारण वहाँ पलायन की बहुत गंभीर समस्या हो गई है। इन मज़दूरों को अपने कार्यों में कठिनाइयाँ तो होती ही हैं, साथ ही इनमें से बहुत से मज़दूरों की अन्य राज्यों में मृत्यु हो जाती है। जब इन मज़दूरों का शव इनके पैतृक स्थान आता है, तो एक हृदय विदारक दृश्य उत्पन्न हो जाता है।

महोदया, मेरे संसदीय क्षेत्र में कोयला, लाइमस्टोन, सैंडस्टोन और ग्रेफाइट जैसे भरपूर खनिज पदार्थ हैं। इन खनिज पदार्थों के आधार पर हम वहाँ थर्मल पावर प्लांट, सीमेन्ट फैक्ट्री या ग्रेफाइट रिलेटेड कोई इंडस्ट्री इस्टैब्लिश कर सकते हैं।

महोदया, मुझे लगता है कि मेरे संसदीय क्षेत्र की ओर सरकार का जितना ध्यान जाना चाहिए था, वह नहीं गया है। मैं आपके माध्यम से केंद्र सरकार से अपने पलामू जैसे अति पिछड़े संसदीय क्षेत्र के संबंध में निवेदन करना चाहता हूँ। पलामू संसदीय क्षेत्र के दोनों जिले देश के 125 अति पिछड़े जिलों की सूची में आते हैं। मेरा आपके माध्यम से केंद्र सरकार से यही आग्रह है कि वह कृपया इस ओर ध्यान दे। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष :

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री शरद त्रिपाठी एवं

कुँवर पुऐपेद्र सिंह चन्देल को श्री विऐणु दयाल राम द्वारा उठाए गए विऐाय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।